

- 6- कार्यदायी संस्था परियोजना का लेखा व खाता पृथक रखेंगे।
- 7- कार्य पर Escalation अनुमन्य नहीं होगा।
- 8- कार्यदायी संस्था योजना के कार्य मदवार प्रगति की समय सारणी तैयार की जायेगी।
- 9- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।
- 10- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 11- प्रस्तावित भवन के विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाये।
- 12- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। विलम्ब की दशा में आगणन पुनरीक्षण हेतु अतिरिक्त धनराशि का वहन निर्माण इकाई द्वारा किया जायेगा।
- 13- उक्त धनराशि कोषागार से तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम, टिहरी गढ़वाल को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारम्भ से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा। स्वीकृति सम्वन्धी मूल शासनादेश की शेष सभी शर्तें यथावत् रहेगी।
- 14- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 15- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्वन्धित हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्वन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 16- धनराशि उन्ही मदों पर व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हैं।
- 17- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 18- अबमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.03.2009 से पूर्व सुनिश्चित कर इसका वित्तीय भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत करे। कार्य की लागत किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं की जायेगी। भवन का निर्माण कार्य अविलम्ब पूर्ण करा कर विभाग को हस्तगत हो जाय यह सुनिश्चित कर लिया जाय।

- 19- उक्त व्यय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परियोजनागत, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें, 104-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 03-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना 0302-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (विस्तार अंश) 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 259(P)/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 23.12.08 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)


उप सचिव

संख्या- ¹⁵⁴³ ~~1543~~ (1)/XXVIII-5-2007-65/2007 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
3. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
8. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम लि0, इन्दिरा नगर, लखनऊ।
9. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम, टिहरी गढ़वाल।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
11. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव